

Course Code HIC-101

१०० प्रथम सेमेस्टर

हिंदी अनिवार्य

L-T.-P.

6 - - -

External Marks: 80

Internal Marks: 20

घटक-1 धुवरस्तामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद (सप्तरात्ग व्याख्या)

16 अक्टूबर

घटक-2 धुवरस्यामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद (आलोचनात्मक प्रश्न)

16 अंक

पाठ्यक्रम गे निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 1 'धुवरस्वाभिनी' नाटक का प्रतिपाद्य
 - 2 'धुवस्वाभिनी' नाटक की पात्रा योजना
 - 3 'धुवस्वाभिनी' नाटक की अभिनेयता

16 31

घटक-३ हिन्दी राहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 1 काल विग्रहन
 - 2 आदिकाल का नामकरण
 - 3 आदिकाल की परिस्थितियाँ
 - 4 आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ

16 अंक

घटक-४ व्यावहारिक हिन्दी

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

- भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, गांधीभाषा,

गात्रभाषा

- २ मानक-भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

- ³ हिंदी की योलियाँ— हरियाणवी, राजस्थानी, ग्रन्ज, अक्षयी, भोजपुरी

४. हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान

- ## ५ गहावरे एवं लोकोदितायौ

✓ 21.8.17
Rev Malak
21.8.17

from
11-8-17

60

1

70% P
37.4% PbO_2

mag

1. हिन्दी रंग मंच का इतिहास – चंदू लाल देव
 2. भरता और भारतीय नाट्य कला – सुरेन्द्र नाथ दीक्षित
 3. नाट्य कला – डॉ. रंधुवर्ण
 4. रंग मंच : देखना और जानना – लक्ष्मी नारायण लाल
 5. हिन्दी नाटक : उत्तम्य और विकास – दशाय ओझा
 6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – राम चंद्र शुक्ल
 7. हिन्दी साहित्य का इतिहास ‘दोनों भाग’ – विश्व नाथ प्रसाद मिश्र
 8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संग नोन्दू, सुरेण चंद्र शुक्ल
 9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
 10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
 11. मानक हिन्दी का स्वरूप – भोला नाथ तिवारी
 12. हिन्दी भाषा – चर्चाकृपा और विकास : कैलाश चन्द्र भाटिया और मोती लाल चटुर्वेदी
 13. प्रयोजन मूलक हिन्दी – डॉ. डी. के. ठेन, शिपल, गण्डि, विज्ञान और हिन्दी भाषा – डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
 14. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली

प्ररनपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः—

प्रश्नपत्र के लिये कल 80 अहं निधनित हैं। प्रश्न-पत्र हत्या करने का माय हीम (3) प्राप्त होगा।

2. फ्रेम अपने चाहते हैं कि विद्यार्थी को आधा पर बनाया जाए। यह प्रश्न अधिकारी

४०॥१॥ इहका अन्तानि हायु उपर धारा विकस्थाहरा ४ प्रते बुद्धि आ॥ प्रथमक लघूतरातक प्रते दा

二十一

३ द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रस्तुत का नियम पाठ्यक्रम में क्रमागतः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में विशिष्टित विधि के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्यक्ष घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर दिखाने की कला जाया।

গোলাপী বাড়ি
২১+১.৭ মিলিমিটার
১/২

Penru
21.8.17

Course Code HIC-102
वर्गी० ए० द्वितीय सोमे स्टर
हिन्दी अनिवार्य

External: 80
Internal: 20

୧-୬୨

୧-୧ ମହାକାଶର କାନ୍ଦୁ-କୁଣ୍ଡଳ (ମେତାଗ ଚାଙ୍ଗ)

Total Credits : 6
Total Marks : 100

Total Marks : 100

૧૬ અંક

पाठ्यक्रम में निष्पादित कथित

कांगड़ा (१-५६) कांगड़ा (१-२३) तुलसीदास (गमचित्तनानस के उत्तरकाँड़ से १-४ दोहरे कवियावती के यात्राकाँड़ से ५-० नाम से गायत्री

ପ୍ରକାଶ ଗୀ

二十一
新編重刊

卷之三

卷之三

卷之三

卷之三

ପ୍ରକାଶକ ଆଧିକାରୀ

१६ अंक
प्राप्ति का प्रमाणित होने के बाद विद्युत ऊर्जा का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में विस्तृत होना चाहिए।

१ अवैतिकाल की परिथियाँ

शंत काव्य की प्रवृत्तियाँ

କୋଳ୍ୟ କାନ୍ଦି ପରିଚିତ
ଉପରେ ଉପରେ ଉପରେ

याम कल्य तर्फ प्रविष्ट्य

କାଳେ କାଳେ ହେ ପଦମିଶ୍ର

الطبقة العاملة في مصر - دراسة انتقادية

१६ विजय

रस : स्वल्प और अंग, रस के भेद

अलंकार—अनुप्रास, श्लोष, यानक, उपमा, कल्पक, उत्तेक्षण, आन्तिमान्, अतिशयोदित, सन्देह.

गान्धीकरण, अन्योनित,

। छंद-दोहा, धीपाई, सोरठा, वरदे, कण्ठलियाँ, छप्पय, कवित्त, घटकपत्र
॥१॥

100

四庫全書

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

- काव्य शास्त्र – भगीरथ गिश
एस मंजरी – कहेया लाल पोदतार
अलंकार मंजरी – कहेया लाल पोदतार

2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13.

काव्य के रूप – गुलाब राय
रस भीमांसा – राम चन्द्र शुक्ल
भारतीय काव्य शास्त्र – सत्यदेव चौधरी
काव्य दर्पण – राम दहिन गिश
हिंदी साहित्य का इतिहास – राग चन्द्र शुक्ल
हिंदी साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ० नगेन्द्र, सुरेश चंद्र शुक्ल
प्रयोजन पूलक हिन्दी – डॉ० डी० के जैन, शिघल, गर्ग
अंतकार दर्पण – डॉ० नरेश निश, निर्मल पालिकेशन, दिल्ली
प्रयोजन पूलक हिन्दी – डॉ० नरेश निश, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

प्राणपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः—

- प्रश्नपत्र के लिये चुल्हा 80 अंडे निर्धारित है। प्रश्न-पत्र उत्तर करने का साथ तीन (3) घण्टे होगा।
 2 प्रश्ना प्रत्यक्ष के बारे घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर दर्शाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अत्यारत लघु उत्तर बाले विकल्पहित 8 प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघुतात्त्वक प्रश्न दो अङ्गों का होगा।
 3 द्वितीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्णय पाठ्यक्रम के क्रमायाः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर प्रतीक्षाथों में प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

34191 40112

May



21.8.17

Course Code HIC-201
वी० य० हृतीय सेमेस्टर
हिन्दी अनिवार्य

External: 80
Internal: 20

Total Credits : 6
Total Marks : 100

घटक-1 आधुनिक हिन्दी कविता (सप्तमंग व्याख्या)

16

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि

- 2 जयशंकर प्रसाद [कामायनी (अनन्द-सर्ग), अ५३]

3 सूर्यकांत निषाठा (विष्णुवादत्व रण, जगों पिज एक बार, यह तोड़ती पथर) ।

4 महादेवी वर्मा (कह दे माँ क्षया आ देखूँ, कोन तुम सेरे हृदय में, दुष की बदली, ये मुस्काते

一
四

5 यामधारी सिंह दिनकर (काक्षेत्र)

घटक-2 आधुनिक हिन्दी कविता (आलोचनात्मक प्रश्न)

3 हिन्दी साहित्य का विविक्षण

- पाद्यक्रम में निर्धारित आलोचना
 1 शीतिकालीन परिस्थितियाँ
 2 शीतिकाल का नामकरण
 3 शीतिकद्वंद्व काव्य की विशेषताएँ

४ रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ

१ कंपनी :

- २ इन्टरसेट : ऐतिहासिक परिचय और उपयोगिता
३ आँकड़ा लसाधन
४ कंप्युटर का गणितीय सारांश

Dear mother
I am writing to you
on Aug. 17, 1900.
I hope you will receive
this letter.

सहायक भ्रम्य सूची

1. भारतीय काव्य शास्त्र – सत्यदेव शोधपी
2. काव्य दर्पण – राम दहिन मिश्र
3. हिंदी साहित्य का इतिहास – राम चन्द्र शुभल
4. हिंदी साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार यमा
6. सेवि काव्य की भूमिका – नरोन्न
7. प्रयोजन मूलक हिंदी – प्र०० नरेश मिश्र
8. कंप्यटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार गढ़वाल
9. कंप्यटर और हिंदी – हरि गोहन
10. रामार क्राति – नारायण, नेशनल बुक ट्रस्ट
11. अध्युनिक जन संचार और हिंदी – हरि गोहन
12. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ० डी. के जेस सिंघल, गण

प्रसन्नकृति-निर्गम के लिये निम्नलिखित:

1. प्रसन्नकृति-निर्गम के लिये कुल ४० कड़ निर्धारित है। प्रसन्न-पत्र इतने करते का समय तीन (3) चारों होगा।

2. उत्तम पत्र चर्चाक्रम के चारों चर्चाक्रमों ने निर्धारित विषयों के काषाय पर धनाया जाए। यह प्रसन्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर चारों विकल्पसहित ४ प्रसन्न पूँछ जारी। प्रसपक लघुत्रात्मक प्रश्न दो (2) अहों का होगा।

3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रसन्न का निर्गम पाठ्यक्रम के क्रमान्वयः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ प्रसपक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रसपक घटक से से वैकाशिक प्रसन्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Dr. Jitendra Singh
 Dr. Rakesh Kumar
 Dr. Hemant Kumar
 Dr. P. K. Srivastava

Secretary, CBSE
 Dated: 31/07/2011

- २३ -

Course Code HIC-202
वी० ए० चतुर्थ सेमेर्टर
हिंदी अनिवार्य

Internal: 80
External: 20

घटक-१ कहानी पर आधारित पाठ्यपुस्तक

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित कहानीकारों की कहानियों को शामिल किया जाएगा-

- 1 प्रशंसन (इशाह)
- 2 जयशंकर प्रसाद (पुस्तकारा)
- 3 स० ही० चात्तचापन अडेय (गीरिन)
- 4 नेहन शकेश (मलबे का मालिक)
- 5 प्राणिश्वरसाथ शंख (डैम)
6. कृष्णला - कृष्णला पुर्णदा
7. पन्चनीस - चौकू उड़ौंझा - उड़ौंझुकुकुआ बाबुमिसी

घटक-२ कहानी पर आधारित पाठ्यपुस्तक (आलोचनात्मक प्रश्न)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

घटक-३ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 1 आधुनिक काल की परिवर्थितियाँ
- 2 हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
- 3 हिंदी कहानी : उद्भव और विकास
- 4 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास

घटक-४ पत्र लेखन

सरकारी पत्र : परिषद्, अनुसंधानक, कार्यालय आदेश, प्रेस विज्ञापन, विज्ञापन, आवेदन।

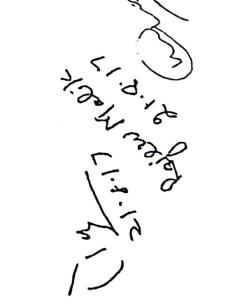
Signature
Date 11/11/17
By _____
Majhi
Perry

साहायक प्राथं रसूली

- २५ —
1. नई कहानी : रोदग्न और प्रफूलि – देवी शंकर गवर्डणी
 2. कहानी : नई कहानी – रोदग्न नामकर रिह
 3. हिंदी साहित्य का इतिहास – राम चंद शुगल
 4. हिंदी साहित्य – हजारी प्रशाद हिरेनी
 5. हिंदी साहित्य का इतिहास दोनों भाग – विश्वनाथ प्रसाद शिश्व
 6. हिंदी साहित्य का इतिहास – संबंध नगेन्द्र, युरेश चंद शुगल
 7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकृष्णपाल चंद्र
 8. प्राचार और उनका युग – राम विलास शर्मा

प्रसन्पत्र-निर्गांग के लिये निर्देशः—

1. प्रसन्पत्र के लिये कुल ८० अंडे निर्धारित हैं। प्रस-पत्र बल करने का समय तीन (३) घण्टे होगा।
2. प्रसन्पत्र प्रशंसन के चारों छटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर जागा जाए। यह प्रसन्पत्र अनिवार्य होंगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परिदृशि ४ प्रसन्पत्र यौं जारी गरिका लक्ष्यपत्रक प्रसन्पत्र दो (२) अंडों का होगा।
3. हिंदीय, शूलीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रसन्पत्र का निर्गांग प्रशंसन के लियः प्रस-पत्र, दिलीप, शूलीय राम चतुर्थ छटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाय। पञ्चम प्रशंसन के प्रत्येक घटक से दो चैकिटिप्रक प्रसन्पत्र देकर प्रदीकार्य से प्रत्येक घटक से एक एक प्रसन्पत्र का उत्तर तिजों को कहा जाए।


<img alt="Signature of Dr. D. K. Bhattacharya" data-bbox="625 53400

Course Code MUC-301

वी० ए० प्रचम रोमेस्टर

L-T-P:

6 - - -

External Marks: 80

Internal Marks: 20

घटक-1 सामकलीन हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक (संपादक व्याख्या)

- 1 ४० ही० यात्यायन अज्ञेय
- 2 धर्मविर भारती
- 3 श्रीनरेश महता
- 4 नागार्जुन
- 5 रघुवीर लहाय

घटक-2 राष्ट्रकालीन हिंदी कविता (आलोचनात्मक प्रश्न)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुमूलिकता वैशिष्ट्य तथा अभियादितात् सौचक एवं फ़ूल फूल जायेंगे।

घटक-3 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 1 आरतेन्दुरुग्णि विंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
- 2 द्विवेदीयुग्मन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
- 3 छायाचाद
- 4 प्रगतियाद
- 5 प्रयोगवाद
- 6 नयी कविता

घटक-4 काव्य शास्त्र

- 1 शब्द शक्तियाँ
- 2 काव्य गुण
- 3 प्रतीक
- 4 विव

११/८/१६
११/८/१६
११/८/१६
११/८/१६

माझी
रेम

16 अंक

16 अंक

११/८/१६

राहायक ग्रन्थ सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - राण-चंद शुल्क
 2. हिन्दी साहित्य - हजारी प्रसाद विदेशी
 3. हिन्दी साहित्य का इतिहास द्वितीय
 4. हिन्दी साहित्य का इतिहास 'तोनो भाग' - विष्व नाथ प्रसाद मिश्र
 5. हिन्दी-साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - सौ नगेच्च, उरेश चंद शुल्क
 6. काव्य शास्त्र - भगवित्थ मिश्र
 7. काव्य लिद्दान्त - ओम प्रकाश शास्त्री
 8. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्य देव चौधरी
- प्रश्नपत्र-नियापिण के लिये निवेदण:-
1. प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अड्डे निर्धारित है। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
 2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों छटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य (अ) अंकों का होंगा।
 3. निर्तीय, दृष्टीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का नियमित पाठ्यक्रम के क्रमासः प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ छटक में निर्धारित विषय के आधार पर लिखा जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक छटक से दो ऐकांतिक प्रश्न देकर परिशारों से प्रत्येक छटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को काम।
- छटक-1 समकालीन हिन्दी कविता (निर्धारित कविताओं -)
- स०ह० यात्त्वायान अड्डोय

हमारा देश ,कितनी नावों में कितनी बार ,नाच ,सूनी सी साँझ एक ,साँप

धर्मवीर भारती

रथ का ढटा पहिया ,फागुन की शाम ,बोआई का गीत ,गुलाम बनाने वाले ,विप्रलब्धा

नरेश गेहता

मंत्र-गंध और भाषा ,अरण्यानी से वापसी

नागार्जुन

उनको प्रणाम ,सिन्दूर तिळकित भाल ,बादल को घिरते देखा है ,प्रेत का बयान ,अकाल और

उसके बाद

रघुवीर झहाय
लोकानन्द का संकट ,चिड़ियाँ ,भाषा का युद्ध ,धूम ,रामदास

(Signature) *Mayur*

(Signature) *Om Prakash*

(Signature) *Om Prakash*

• ፳፻፲፭

- सम्पादन करता – केंद्रीय नारायणन
 - सामाचार सम्पादन – प्रेस नाथ चतुर्वेदी
 - हिंदी साहित्य का इतिहास – राम चंद्र शुक्रल
 - हिंदी साहित्य – हजारी प्रसाद हिंदेशी
 - हिंदी साहित्य का इतिहास 'दोनों भाग' – विश्व नाथ प्रसाद मिश्र
 - हिंदी साहित्य का इतिहास – सौन मोन्ट, उरुश चंद्र शुक्रल
 - हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकृष्णराम चंद्र
 - सामाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन करता – डॉ. हरिमोहन
 - जन गान्धी और पत्रकारिता – प्रधीण दीक्षित
 - लोक सम्पर्क – राजेन्द्र, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
 - प्रयोगन मूल हिंदी – प्रो. नरेश मिश्र
 - सामाचार संकलन और लेखन – नन्द किशोर
 - गांडिया लेखन – डॉ. नरेश मिश्र
 - प्रयोगन गूलक हिंदी – डॉ. डी० डी० के जैन, सिंघल, गर्ग

प्रसन्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

- प्रसंग के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। प्रसं-प्रसं छत करते का समय तोन (3) घण्टे होगा।
 - प्रथम प्रसं प्रतिक्रम के चारों छटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर चारा। यह प्रसं अधिकार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर बाले विकासपत्रित 8 प्रसं ऐसे जाएं। प्रतेक लघुपत्रनक प्रसं देकर (2) अङ्कों का होगा।
 - द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रसं का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रातः। प्रथम, द्वितीय, तृतीय चतुर्थ छटक में निर्धारित विषय के आधार पर चिह्न। पाठ्यक्रम के प्रतेक घटक से दो वैकालिक प्रसं देकर प्राप्तक्रम से एक एक प्रसं का उत्तर लिखने को कहा जाए।